



॥ श्री गायत्री माता स्तुति ॥
॥ मङ्गल करनिं गायत्री सुखधाम ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गायत्री माता स्तुति ॥

ॐ श्री गणेशाय नमः।

जयति जय गायत्री माता,
वेदमाता जग की त्राता।
ज्ञानस्वरूपा, करुणामयी,
भक्तों की तुम हो हितकारी॥
ब्रह्मतेज की दिव्य विभूति,
अज्ञान हरिणी, शुभमूर्ति।
सत्य, धर्म की तुम आधार,
करो सदा जीवन उद्धार॥
श्वेत कमल पर विराजित अम्बे,
करुणा बरसाओ नित हम पे।
वरदहस्त से सुख बरसाओ,
मन में ज्ञान-ज्योति जगाओ॥
बुद्धि, विवेक प्रदान करोगी,
भक्ति की धारा तुम भरोगी।
मोह, मद, लोभ सभी हर लेना,
सद्गुण से जीवन भर देना॥
वेदों की तुम दिव्य वाणी,
ऋषियों की हो परम कल्याणी।
सत्य-पथ पर हमें चलाना,
धर्ममार्ग का ज्ञान सिखाना॥
दुःख, दरिद्र, भय सब हर लेना,
जीवन में मंगल भर देना।
तन-मन पावन, चित्त प्रकाशित,
कर दो माँ अपना आश्रित॥
विद्या, बुद्धि, यश और कीर्ति,

दो माँ निर्मल पावन वृत्ति।
सदाचार का दीप जलाओ,
जीवन सफल हमारा बनाओ॥
हे जगजननी वेदमाता,
तुमसे ही जग का है नाता।
हम सब पर कृपा-दृष्टि रखना,
हर पल अपना साथ ही रखना॥
जो श्रद्धा से गुणगान करे,
मन में तुम्हारा ध्यान धरे।
उसके जीवन में सुख आए,
ज्ञान-प्रकाश सदा छा जाए॥
करबद्ध विनय हमारी सुनो,
भक्ति-प्रेम से हृदय भरो।
सद्बुद्धि देकर जीवन सँवारो,
भवसागर से पार उतारो॥

॥ ॐ श्री गायत्र्यै नमः ॥
॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"